ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL

A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION

CLASS: 5

SUBJECT :HINDI LITERATURE

STUDY MATERIAL (1st term)

DATE : 05.05.20

पाठ - सुनहरी चिड़िया

लेखक -अज्ञात

सुनहरी चिड़िया नामक यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि स्वतंत्रता केवल मनुष्यों का ही नहीं बल्कि पशु-पक्षियों का भी प्रथम अधिकार है I

यह कहानी बताती है कि बहुत समय पहले उद्यमन नाम के एक राजा रहते थें जो बड़े ही दयालु और नेक राजा थे I उनकी प्रजा अपने राजा की प्रशंसा करते नहीं थकती थी I राजा के मनन में पशु -पक्षियों के लिए बड़ा प्रेम था यही कारण था कि स्वयं उन्होंने अपने राजमहल में कई हाथी ,घोड़े तथा अन्य जानवर पाल रखे थे , जिनकी देख रेख करना उन्हें स्वयं अच्छा लगता था I

एक दिन जब राजा पहली मंजिला पर स्थित अपने शयन कक्ष में आराम कर रहे थें उन्होंने एक सुन्दर सी चिड़िया देखी जिसका रंग सुनहरा तथा चोंच काली थी I चिड़िया गाने लगी और उसका मधुर गीत सुनकर राजा मोहित हो गये I रानी को भी चिड़िया का गीत प्रिय लगा I उसके बाद वही चिड़िया रोज़ उसी पेड़ पर आती और गीत गाती जिसे सुनकर राजा अत्यंत खुश हो जाते I परन्तु राजा ने अनुभव किया कि जिस दिन बारिश होती तथा तेज़ हवाएं चालती ,वह चिड़िया नहीं आती थी I उस दिन राजा को तनिक भी अच्छा नहीं लगता I राजा ने अपने मंत्री से यह सुझाव लिया कि अगर वे उस चिड़िया के रहने का प्रबंध राज महल में ही कर दें तो वह चिड़िया हमेशा उनके अस पास ही रहेगी I फिर क्या था , राजा के आदेश अनुसार सोने का पिंजरा बनवाया गया , अगले दिन जब वह आई उसे पकड़ कर पंजरे में रखा गया , उसके लिए मीठे -मीठे फल तथा स्वादिष्ट पकवान दिए गये I राजा को विश्वास था कि इतनी सुविधाओं के मध्य वह सुनहरी चिड़िया अवश्य खुश रहेगी I परन्तु ऐसा नहीं हुआ I

पिंजरे में बंद चिड़िया को कुछ भी अच्छा नहीं लगता , न तो वह खाना खाती , न ही गाना गाती थी बल्कि बहुत दुखी रहने लगी I उसे चुप देखकर जब राजा ने रानी से वैद बुलवाने की बात कही तब रानी ने राजा को समझाया कि मनुष्य की ही तरह चिड़िया को भी अपनी आज़ादी तथा स्वतंत्रता पसंद है ,उसे खुले आसमान में उड़ना पसंद है और यदी वह पिंजरे में ही रही तो कभी नहीं गाएगी I राजा को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने सुनहरी चिड़िया को आज़ाद कर दिया I फिर क्या था ,वह खुले आसमान में उड़ गई और दुसरे ही दिन फिर उसी पेड़ पर आकर अपना मधुर गीत गाने लगी I

<u>लघु प्रश्न -उत्तर</u>

1. राजा ने चिड़िया के लिये पिंजरे में क्या -क्या रखा ?

राजा ने अपनी प्रिय चिड़िया को अपने राजमहल में ही रखने के लिए पहले तो सोने का पिंजरा बनवाया। चिड़िया की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पिंजरे में उसके लिए मीठे-मीठे फल और बढियां पकवान रखे गये।

2.चिड़िया का रंग और उसी आवाज़ कैसी थी ?

चिड़िया बहुत ही सुन्दर थी। उसका रंग सुनहरा तथा चोंच काली थी। उसकी मधुर आवाज़ सुनकर ऐसा लगता जैसे कोई बांसुरी बजा रहा हो। राजा और रानी को उसका गाना बहुत अच्छा लगता था।

3.राजा ने चिड़िया को स्वतंत्र क्यों कर दिया ?

सोने का पिंजरा , मीठे फल तथा स्वादिष्ट पकवान भी चिड़िया को उस पिंजरे में खुश न रख पाए। स्वतंत्रता सभी प्राणियों का पहला अधिकार है। सभी स्वतंत्र जीवन जीना चाहते हैं। जब सुनहरी चिड़िया को राजा ने महल में ही रखने के लिए पिंजरे में बंद कर दिया तो वह बहुत उदास रहने लगी। अच्छे से अच्छे फल और पकवान उसे आकर्षित नहीं करते ,वह न तो कुछ खाती और ना ही गाना गाती। उसकी इस पीड़ा को समझ कर रानी ने ही राजा को सलाह दी कि चिड़िया को आज़ाद कर

दिया जाए। राजा को भी इस बात का अहसाद हुआ कि चिड़िया की ख़ुशी भी खुली हवा में उड़ने में ही है तथा वह स्वतंत्र रहना पसंद करती है।

4. अंत में राजा खुश क्यों था ?

सुनहरी चिड़िया का मधुर गीत राजा को इतना पसंद था कि चिड़िया को उन्होंने राजमहल में ही रखने के लिए सोने का पिंजरा बनवाया , स्वादिष्ट पकवान रखे परन्तु चिड़िया को तो अपनी आजादी सबसे अधिक प्रिय थी। पिंजरे में बंद वो न तो गाना गाती और न ही कुछ खाती। उस यह दशा देखकर राजा ने उसे आज़ाद कर दिया। वह आसमान में उड़ गई और अगले दिन वह स्वयं आम के उसी पेड़ प्र आकर सुरीला गीत गाने लगी। इस बात से राजा को बहुत ख़ुशी मिली।

5.क्या सोने के पिंजरे चिड़िया खुश थी और क्यों ?

चिड़िया सोने के पिंजरे में स्वंतंत्र नहीं थी। उसे अपनी आजादी उस सोने के पिंजरे तथा स्वादिष्ट पकवान से अधिक प्रिय थी। पिंजरे में कैद वह तो खाना पीना तथा गाना भी भूल गई थी और बहुत उदास थी। वह उदास थी क्योकि उसे खुली हवा में उड़ना पसंद था ,वह स्वतंत्र रहना पसंद करती थी।

<u>शब्द -अर्थ</u>

दरियादिल -दानशील

रसीले -रस से भरा

सुरीली -सुनने में अच्छी

राजमहल -राजा का महल

- MANISHA YADAV